# क्या आप थ्योरी से परेशान है ?

Digi Notes, smart shortcuts for smart students.

Mahendra's Digi Notes

## VERSION 2.0

# सामान्य अध्ययन

## वैदिक सभ्यता

Mahendra's

www.mahendras.org
www.mahendraguru.com

# वैदिक सभ्यता

वैदिक सभ्यता प्राचीन भारत की सभ्यता है जिसमें वेदों की रचना हुई। भारतीय विद्वान् तो इस सभ्यता को अनादि परम्परा का आया हुआ मानते हैं | कुछ लोग तो इसको भारत में आज से लगभग 7000 ईसा पूर्व शुरु हई थी ऐसा मानते है, परन्तु पश्चिमी विद्वानो के अनुसार आर्यों का एक समुदाय भारत मे लगभग 2000 ईसा पूर्व आया और उनके आगमन के साथ ही यह सभ्यता आरंभ हुई थी।

आम तौर पर अधिकतर विद्वान वैदिक सभ्यता का काल 2000 ईसा पूर्व से 600 ईसा पूर्व के बीच मे मानते है, परन्तु नए पुरातत्त्व उत्खननो से मिले अवशेषों मे वैदिक सभ्यता के कई अवशेष मिले हैं जिससे आधुनिक विद्वान जैसे डेविड फ्राले, बी बी लाल, एस आर. राव, सुभाष काक, अरविन्दो यह मानने लगे है कि वैदिक सभ्यता भारत मे ही शुरु हुई थी और ऋग्वेद का रचना काल 4000-3000 इस्वी ईसा पूर्व रहा होगा, क्योंकि आर्यो के भारत मे आने का न तो कोई पुरातत्त्व उत्खननो से प्रमाण मिला है और न ही डी एन ए अनुसन्धानो से कोई प्रमाण मिला है इस काल में वर्तमान हिंदू धर्म के स्वरूप की नींव पड़ी थी जो आज भी अस्तित्व में है। वेदों के अतिरिक्त संस्कृत के अन्य कई ग्रंथो की रचना भी इसी काल में हुई थी।

वेदांगसूत्रौं की रचना मन्त्र ब्राह्मणग्रंथ और उपनिषद इन वैदिकग्रन्थौं को व्यवस्थित करने मे हुआ है | अनन्तर रामायण, महाभारत,और पुराणों की रचना हुआ जो इस काल के ज्ञानप्रदायी स्रोत माना गया हैं। अनन्तर चार्वाक , तान्त्रिकों ,बौद्ध और जैन धर्म का उदय भी हुआ |

इतिहासकारों का मानना है कि आर्य मुख्यतः उत्तरी भारत के मैदानी इलाकों रहते थे इस कारण आर्य सभ्यता का केन्द्र मुख्यतः उत्तरी भारत था। इस काल में उत्तरी भारत (आधुनिक पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा नेपाल समेत) कई महाजनपदों में बंटा था।

## मूल

आरंभिक वैदिक काल की सामान्यतः प्रस्तावित अवधि दूसरी सहस्राब्दि बीसीई में मानी जाती है जो सिंधु घाटी सभ्यता के पतन के बाद, प्रारम्भ हो गयी। 1900 ईसा पूर्व, भारत-आर्य लोगों के समूह उत्तर-पश्चिमी भारत में आये और उत्तरी सिंधु घाटी में रहने लगे।

## आरंभिक वैदिक काल (1500-1200 ईसा पूर्व)

ऋग्वेद में आर्य और दस और दस्यु के बीच संघर्ष के कारण शामिल हैं। यह दस और दस्यु को उन लोगों के रूप में वर्णित करता है जो बलिदान (अक्रतु) का पालन नहीं करते हैं या देवताओं (अवतार) की आज्ञाओं का पालन नहीं करते हैं।

## उत्तर वैदिक काल (1100-500 ईसा पूर्व)

12 वीं शताब्दी ईसा पूर्व के बाद, के रूप में ऋग्वेद अपने अंतिम रूप लिया था, वैदिक समाज अर्ध-खानाबदोश जीवन से स्थाई कृषि जीवन में परिवर्तित हुआ। वैदिक संस्कृति पश्चिमी गंगा मैदान में विस्तारित हुई। घोड़ों के कब्जे वैदिक नेताओं और खानाबदोश जीवनशैली के अवशेष की एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता बने रहे, जिसके परिणामस्वरूप हिंदू कुश के बाहर व्यापार

मार्गों में इस आपूर्ति को बनाए रखने के लिए घुड़सवार और बलिदान के लिए आवश्यक घोड़ों को भारत में जन्म दिया जा सका।

## नाम और देशकाल

वैदिक सभ्यता का नाम ऐसा इस लिए पड़ा कि वेद उस काल की जानकारी का प्रमुख स्रोत हैं। वेद चार है - ऋग्वेद, सामवेद, अथर्ववेद और यजुर्वेद। इनमें से ऋग्वेद की रचना सबसे पहले हुई थी। ऋग्वेद में ही गायत्री मन्त्र है जो सविता(सूर्य) को समर्पित है।

## ऋग्वेदिक काल

इस काल की तिथि निर्धारण जितनी विवादास्पद रही है उतनी ही इस काल के लोगों के बारे में सटीक जानकारी। इसका एक प्रमुख कारण यह भी है कि इस समय तक केवल इसी ग्रंथ (ऋग्वेद) की रचना हुई थी। मैक्स मूलर के अनुसार आर्य का मूल निवास मध्य एशिया है।आर्यो द्वारा निर्मित सभ्यता वैदिक काल कहलाई। आर्यो द्वारा विकसित सभ्यता ग्रामीण सभ्यता कहलायी। आर्यों की भाषा संस्कृत थी।

मैक्स मूलर ने जब अटकलबाजी करते हुए इसे 1200 ईसा पूर्व से आरंभ होता बताया था (लेख का आरंभ देखें) उसके समकालीन विद्वान डब्ल्यू. डी. ह्विटनी ने इसकी आलोचना की थी। उसके बाद मैक्स मूलर ने स्वीकार किया था कि " पृथ्वी पर कोई ऐसी शक्ति नहीं है जो निश्चित रूप से बता सके कि वैदिक मंत्रों की रचना 1000 ईसा पूर्व में हुई थी या कि 1500 ईसा पूर्व में या 2000 या 3000 "

## प्रशासन

प्रशासन की सबसे छोटी इकाई कुल थी। एक कुल में एक घर में एक छत के नीचे रहने वाले लोग शामिल थे। एक ग्राम कई कुलों से मिलकर बना होता था। ग्रामों का संगठन विश् कहलाता था और विशों का संगठन जन। कई जन मिलकर राष्ट्र बनाते थे।

राष्ट्र (राज्य) का शासक राजन् (राजा) कहलाता था। जो राजा बड़े होते थे उन्हें सम्राट कहते थे।

## धर्म

ऋग्वैदिक काल में प्राकृतिक शक्तियों की ही पूजा की जाती थी और कर्मकांडों की प्रमुखता नहीं थी। ऋग्वैदिक काल धर्म की' अन्य विशेषताएं • क्रत्या, निऋति, यातुधान, ससरपरी आदि के रूप मे अपकरी शक्तियो अर्थात, भूत-प्रेत, राछसों, पिशाच एवं अप्सराओ का जिक्र दिखाई पडता है।

## वैदिक साहित्य

वैदिक साहित्य में चार वेद एवं उनकी संहिताओं, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषदों एवं वेदांगों को शामिल किया जाता है।
वेदों की संख्या चार है- ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद।
ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद विश्व के प्रथम प्रमाणिक ग्रन्थ है।
वेदों को अपौरुषेय कहा गया है। गुरु द्वारा शिष्यों को मौखिक रूप से कंठस्त कराने के कारण वेदों को "श्रुति" की संज्ञा दी गई है।

### ऋग्वेद

- ऋग्वेद संहिता सबसे पुराने वर्तमान में उपस्थित भारतीय  पाठ है ,ऋग्वेद देवताओं की स्तुति से सम्बंधित रचनाओं का संग्रह है। यह 1,028 वैदिक संस्कृत भजन और 10,600 छंदों का संग्रह है, दस पुस्तकों में संगठित है भजन ऋग्वेदिक देवताओं को समर्पित हैं
- यह 10 मंडलों में विभक्त है। इसमे 2 से 7 तक के मंडल प्राचीनतम माने जाते हैं। प्रथम एवं दशम मंडल बाद में जोड़े गए हैं। इसमें 1028 सूक्त हैं।
- इसकी भाषा पद्यात्मक है।
- ऋग्वेद में 33 देवो (दिव्य गुणो से युक्त पदार्थो) का उल्लेख मिलता है।
- प्रसिद्ध गायत्री मंत्र जो सूर्य से सम्बंधित देवी गायत्री को संबोधित है, ऋग्वेद में सर्वप्रथम प्राप्त होता है।
- ' असतो मा सद्गमय ' वाक्य ऋग्वेद से लिया गया है।
- ऋग्वेद में मंत्र को कंठस्त करने में स्त्रियों के नाम भी मिलते हैं, जिनमें प्रमुख हैं- लोपामुद्रा, घोषा, शाची, पौलोमी एवं काक्षावृती आदि
- इसके पुरोहित का  नाम होत्री है।

### यजुर्वेद

- यजु का अर्थ होता है यज्ञ।
- यजुर्वेद वेद में यज्ञ की विधियों का वर्णन किया गया है।
- इसमे मंत्रों का संकलन आनुष्ठानिक यज्ञ के समय सस्तर पाठ करने के उद्देश्य से किया गया है।
- इसमे मंत्रों के साथ साथ धार्मिक अनुष्ठानों का भी विवरण है जिसे मंत्रोच्चारण के साथ संपादित किए जाने का विधान सुझाया गया है।
- यजुर्वेद की भाषा पद्यात्मक एवं गद्यात्मक दोनों है।
- यजुर्वेद की दो शाखाएं हैं- कृष्ण यजुर्वेद तथा शुक्ल यजुर्वेद।
- कृष्ण यजुर्वेद की चार शाखाएं हैं- मैत्रायणी संहिता, काठक संहिता, कपिन्थल तथा संहिता। शुक्ल यजुर्वेद की दो शाखाएं हैं- मध्यान्दीन तथा कण्व संहिता।
- यह 40 अध्याय में विभाजित है।

- इसी ग्रन्थ में पहली बार राजसूय तथा वाजपेय जैसे दो राजकीय समारोह का उल्लेख है।

## सामवेद

- सामवेद की रचना ऋग्वेद में दिए गए मंत्रों को गाने योग्य बनाने हेतु की गयी थी।
- इसमे 1810 छंद हैं जिनमें 75 को छोड़कर शेष सभी ऋग्वेद में उल्लेखित हैं।
- सामवेद तीन शाखाओं में विभक्त है- कौथुम, राणायनीय और जैमनीय।
- सामवेद को भारत की प्रथम संगीतात्मक पुस्तक होने का गौरव प्राप्त है।

## अथर्ववेद

- इसमें प्राक्-ऐतिहासिक युग की मूलभूत मान्यताओं, परम्पराओं का चित्रण है। अथर्ववेद 20 अध्यायों में संगठित है। इसमें 731 सूक्त एवं 6000 के लगभग मंत्र हैं।
- इसमें रोग तथा उसके निवारण के साधन के रूप में जानकारी दी गयी है।
- अथर्ववेद की दो शाखाएं हैं- शौनक और पिप्पलाद।

## ब्राह्मण

- यह मुख्यतः गद्य शैली में उपदिष्ट है।
- ब्राह्मण ग्रंथों से हमें बिम्बिसार के पूर्व की घटना का ज्ञान प्राप्त होता है।
- ऐतरेय ब्राह्मण में आठ मंडल हैं और पाँच अध्याय हैं। इसे पञ्जिका भी कहा जाता है।
- ऐतरेय ब्राह्मण में राज्याभिषेक के नियम प्राप्त होते हैं|
- तैतरीय ब्राह्मण कृष्णयजुर्वेदके ब्राह्मण है |
- शतपथ ब्राह्मण में 100 अध्याय,14 काण्ड और 438 ब्राह्मण है |गान्धार, शल्य, कैकय, कुरु, पांचाल, कोसल, विदेह आदि स्थलों का भी उल्लेख होता है।
- शतपथ ब्राह्मण ऐतिहासिक दृष्टी से सर्वाधिक महत्वपूर्ण ब्राह्मण है।
- पञ्चविंशषड्विंश ब्राह्मण / सामवेद सम्बद्ध ब्राह्मण है |
- सर्वाधिक परवर्ती ब्राह्मण गोपथ है।

## आरण्यक

आरण्यक वेदों का वह भाग है जो गृहस्थाश्रम त्याग उपरान्त वानप्रस्थ लोग जंगल में पाठ किया करते थे | इसी कारण आरण्यक नामकरण किया गया।

- इसका प्रमुख प्रतिपाद्य विषय रहस्यवाद, प्रतीकवाद, यज्ञ और पुरोहित दर्शन है।
- वर्तमान में सात अरण्यक उपलब्ध हैं।
- सामवेद और अथर्ववेद का कोई आरण्यक स्पष्ट और भिन्न रूप में उपलब्ध नहीं है।

## उपनिषद

उपनिषद प्राचीनतम दार्शनिक विचारों का संग्रह है। उपनिषदों में 'वृहदारण्यक' तथा 'छान्दोन्य', सर्वाधिक प्रसिद्ध हैं। इन ग्रन्थों से बिम्बिसार के पूर्व के भारत की अवस्था जानी जा सकती है। परीक्षित, उनके पुत्र जनमेजय तथा पश्चात कालीन राजाओं का उल्लेख इन्हीं उपनिषदों में किया गया है। इन्हीं उपनिषदों से यह स्पष्ट होता है कि आर्यों का दर्शन विश्व के अन्य सभ्य देशों के दर्शन से सर्वोत्तम तथा अधिक आगे था। आर्यों के आध्यात्मिक विकास, प्राचीनतम धार्मिक अवस्था और चिन्तन के जीते-जागते जीवन्त उदाहरण इन्हीं उपनिषदों में मिलते हैं। उपनिषदों की रचना संभवतः बुद्ध के काल में हुई, क्योंकि भौतिक इच्छाओं पर सर्वप्रथम आध्यात्मिक उन्नति की महत्ता स्थापित करने का प्रयास बौद्ध और जैन धर्मों के विकास की प्रतिक्रिया के फलस्वरूप हुआ।

कुल उपनिषदों की संख्या 108 है।

मुख्य रूप से शास्वत आत्मा, ब्रह्म, आत्मा-परमात्मा के बीच सम्बन्ध तथा विश्व की उत्पत्ति से सम्बंधित रहस्यवादी सिधान्तों का विवरण दिया गया है।

"सत्यमेव जयते" मुण्डकोपनिषद से लिया गया है।

मैत्रायणी उपनिषद् में त्रिमूर्ति और चार्तु आश्रम सिद्धांत का उल्लेख है।

### वेदांग

युगान्तर में वैदिक अध्ययन के लिए छः विधाओं (शाखाओं) का जन्म हुआ जिन्हें 'वेदांग' कहते हैं। वेदांग का शाब्दिक अर्थ है वेदों का अंग, तथापि इस साहित्य के पौरूषेय होने के कारण श्रुति साहित्य से पृथक ही गिना जाता है। वेदांग को स्मृति भी कहा जाता है, क्योंकि यह मनुष्यों की कृति मानी जाती है। वेदांग सूत्र के रूप में हैं इसमें कम शब्दों में अधिक तथ्य रखने का प्रयास किया गया है।

वेदांग की संख्या 6 है-

शिक्षा- स्वर ज्ञान

कल्प- धार्मिक रीति एवं पद्धति

निरुक्त- शब्द व्युत्पत्ति शास्त्र

व्याकरण- व्याकरण

छंद- छंद शास्त्र

ज्योतिष- खगोल विज्ञान

प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. निम्न में से सबसे पुराना वेद कौन सा माना जाता है?

[ए] सामवेद

[बी] यजुर्वेद

[सी] ऋग्वेद

[डी] अथर्ववेद

उत्तर - सी

प्रश्न 2. ऋग्वेद के ये भजन निम्नलिखित में से किसने कंठस्थ किए थे?

[ए] होत्री

[बी] उद्गात्री

[सी] अधवर्यास

[डी] नक्सहोत्री

उत्तर -ए

प्रश्न 3 इनमें से कौन-कौन से धार्मिक अनुष्ठान वेदों के भजन से जुड़ा हैं?

[ए] ब्राह्मण

[बी] उपनिषद

[सी] अर्ण्यक

[डी] उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- ए

प्रश्न 4 ऋग्वेद संहिता के IX मंडल किसको समर्पित है?

[ए] सोम

[बी] पुरूषसूक्त

[सी] गोत्र

[डी] गायत्री मंत्र

उत्तर - ए

प्रश्न 5. योग दर्शन के संस्थापक कौन थे?

[ए] जैमिनी

[बी] कपिला

[सी] अक्षपाड़ा गौतम

[डी] पतंजलि

उत्तर - डी

Q.6 पुरुष सुक्त निम्नलिखित वेदों में से किसका हिस्सा है?
[ए] सामवेद
[बी] ऋग्वेद
[सी] अथर्ववेद
[डी] यजुर्वेद
उत्तर - डी

Q.7 ऋग्वैदिक दर्शन युद्ध (दस राजाओं की लड़ाई) में भरत_____ नदी के किनारे विजेता बने थे?
[ए] सिंधु नदी
[बी] सरस्वती नदी
[सी] सतलुज नदी
[डी] परशुनी नदी
उत्तर - डी

Q.8. आर्यों की मातृभूमि आर्कटिक क्षेत्र थी, किसने कहा था?
[ए] मैक्स मुलर
[बी] एडवर्ड मेयर
[सी] बाल गंगाधर तिलक
[डी] हेर्ज़ेफील्ड
उत्तर - सी

प्र.9 निम्न में से कौन सा दुनिया का सबसे लंबा महाकाव्य है?
[ए] रामायण
[बी] रामचरितमानस
[सी] महाभारत
[डी] हनुमान चालीसा
उत्तर - सी

Q.10 निम्नलिखित विषयों में से कौन सा कल्प सूत्र द्वारा व्यक्त किया जाता है?
[ए] बलिदान
[बी] परिवार समारोह
[सी] वर्ण, आश्रम
[डी] उपरोक्त सभी
उत्तर – डी

Mahendra's
YOUR SUCCESS IS OUR SUCCESS
Specialized in Bank, SSC, Railway & State Level Examinations
www.mahendras.org

# TIME TO FINAL PREPARATION

LET'S START WITH MAHENDRAS

BANK

SSC

RAILWAY

STATE LEVEL EXAM

## FACILITIES FOR STUDENTS

- Exclusive Student Portal (stportal.mahendras.org)
- Up to Selection Facility.* (For Selected Cards Only)
- Smart Lab
- Online Speed Test
- Written Speed Test (Detailed Result Analysis)
- Mahendras Class Assessment (MCA)
- Distribution of Class Worksheet (CWE)
- Study Material (English/Hindi)
- Student Bags (One at the time of Admission and another on qualifying PRE Exam or selection.)
- E-NEWSPAPER & MICA (Online & Offline)
- PSS/Online PSS/Online Videos
- Batch/Branch Transfer
- Batch Re-joining* (For Selected Cards Only)
- Smart Class
- Star Performer Award (Monthly)
- Interview and GD PI Facility
- Counselling After Qualifying Pre Examination
- Alumni Facility (Many more Advantages)

Mahendra's
YOUR SUCCESS IS OUR SUCCESS
MAHENDRA GURU
Specialized in Banking, SSC, Railway & other Competitive Examinations
www.mahendraguru.com

www.youtube.com/c/MahendraGuruvideos
www.facebook.com/Emahendras
www.twitter.com/mahendras_mepl
www.instagram.com/mahendra.guru
in.pinterest.com/gurumahendra